# बूथ लेवल अधिकारी ई पत्रिका

जमीनी स्तर पर सफलताः बीएलओ ने ईसीआई के दिशा–निर्देशों को जमीनी स्तर पर लागू करने में सफलता हासिल की

## खंड 12

चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024

जुलाई, 2024

# सफलता की अनुगूंज: आम चुनाव-2024 पर एक पुनर्दृष्टि

भारत में चुनावों की व्यापकता वास्तव में विस्मित कर देने वाली है। इन वर्षों में, देश ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में 'स्वर्ण मानक' स्थापित करते हुए 17 आम चुनावों, 400 से अधिक राज्य विधानसभा चुनावों, 16 राष्ट्रपतीय चुनावों और 16 उपराष्ट्रपतीय चुनावों का आयोजन किया है। लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं के मतदाता आधार के साथ, इसमें अत्यन्त विशाल संभारतंत्रीय व्यवस्था निहित है।

देश भर में 10.5 लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनका लगभग 1.5 करोड़ पोलिंग कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मचारियों ने संचालन किया। मतदान प्रक्रिया संभव करने के लिए, लगभग 55 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) लगाई गई थीं, जिनसे बड़े पैमाने पर चुनावों का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव और आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम की विधानसभाओं के आम चुनाव 4 जून, 2024 को परिणामों की घोषणा के साथ शानदार रूप से संपन्न हुए।

लगभग 312 मिलियन भारतीय महिला मतदाताओं ने वोट डाल कर विश्व कीर्तिमान बनाया जो यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं की कुल संख्या से 1.25 गुना से अधिक है।


## सम्पादक मंडल

एन एन बुटोलिया
सीनियर प्रिंसिपल सेक्रेटरी
(इलेक्टरल रोल)

अशोक कुमार
डायरेक्टर, (आईटी)

कुलदीप कुमार सेहरावत
डायरेक्टर (ट्रेनिंग)

एस. सुंदर राजन
निदेशक (ईवीएम)

दीपाली मासिरकर
डायरेक्टर
(इलेक्शन प्लानिंग)

संतोष अजमेरा
डायरेक्ट (रस्वीप)
मेंबर कन्वीनर (सदस्य समन्वयक)

## सम्पादक मंडल

आर के सिंह
कोऑर्डिनेटर
स्वीप

अनुज चांडक
जॉइंट डायरेक्टरए
मीडिया

प्रशांत कुमार
सहायक निदेशक
हिंदी

रजनी उपाध्याय
कम्युनिकेशन कंसलटेंट

फराह अल्वी
ग्राफिक डिजाइनर

# निर्वाचकों के विविधतापूर्ण समूह

49.7 करोड़ पुरुष मतदाता

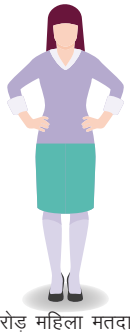

47.1 करोड़ महिला मतदाता

85 वर्ष और उससे अधिक आयु के 82 लाख निर्वाचक

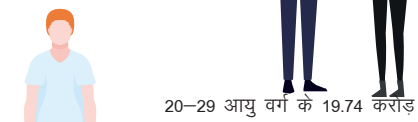

20–29 आयु वर्ग के 19.74 करोड़ युवा मतदाता



48,000 ट्रांसजेंडर निर्वाचक

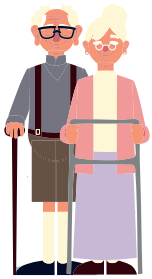

2.18 लाख शतायु निर्वाचक

18–19 आयु वर्ग के 1.8 करोड़ पहली बार मतदाता बने निर्वाचक

88.4 लाख दिव्यांग मतदाता

19.1 लाख सेवा निर्वाचक

इस ऐतिहासिक चुनाव में 10 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं और चुनाव मशीनरी के बीच संपर्क के पहले बिंदु के रूप में काम कर रहे थे। इन बूथ लेवल अधिकारियों ने चुनावों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक पात्र मतदाता पंजीकृत हो और उन्हें उनके मतदान अधिकारों से अवगत कराया जाए। वे समाज के सबसे दूरवर्ती और अरक्षित वर्गों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया कि पहली बार मतदाता बने निर्वाचकों से लेकर शतवर्षीय लोगों तक सभी को चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया जाए। उनके समर्पण और कड़ी मेहनत ने भारतीय लोकतंत्र की भावना को दर्शाया, जिससे 2024 का लोकसभा चुनाव एक बड़ी कामयाबी और राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण बना।

## क्या आप जानते है?

आम चुनाव 2024 की टैगलाइन **'चुनाव का पर्व, देश का गर्व'** व्यापक विचार–मंथन सत्र के बाद अपने अंतिम रूप में पहुंचने से पहले अनेक पूर्वाभ्यासों से गुजरी। मूलतः गर्व का पर्व के रूप में परिकल्पित यह टैगलाइन न केवल मतदाताओं के बीच बल्कि निर्वाचन तंत्र के 2 करोड़ स्टाफ के बीच उत्सव और गर्व की भावना को जगाने के अपने भाव को अभिव्यक्त करने के लिए परिष्कृत की गई।

**'चुनाव का पर्व, देश का गर्व'** वाक्यांश लोकतंत्र और राष्ट्रीय गौरव के उत्सव के रूप में चुनावों की भावना को गहराई से प्रतिध्वनित करता है। इसे भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस–2024 के अवसर पर आधिकारिक तौर पर लांच किया गया था। जमीनी स्तर पर, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और अन्य कर्मचारियों ने बैनरों, मर्चेंडाइज और विभिन्न संचार चैनलों के माध्यम से टैगलाइन को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह टैगलाइन न केवल मतदाता भागीदारी को प्रेरित करने का काम करती है, बल्कि लोकतांत्रिक सहभागिता के माध्यम से राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के प्रति सामूहिक कर्तव्य भावना को बढ़ावा देने के लिए समूचे राष्ट्र में कार्यरत चुनाव अधिकारियों के समर्पण और प्रतिबद्धता को भी निरूपित करती है।

# बूथ लेवल अधिकारियों के प्रयासों के कारण आम चुनाव 2024 में 642 मिलियन गौरवशाली भारतीय मतदाताओं ने मतदान किया:

## दुरुस्त एवं सर्वसमावेशी निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करना

बूथ लेवल अधिकारी लोकसभा चुनाव, 2024 के लिए सर्वग्राही, सटीक और समावेशी निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने में सहायक बने। उनके प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक पात्र मतदाता पंजीकृत हो जाए और अपात्र एवं बहुल प्रविष्टियां निर्वाचक नामावली से हटा दी जाएं, जिससे मतदाता सूचियों को सावधानीपूर्वक अद्यतन किया जाना सुनिश्चित हुआ और चुनाव प्रक्रिया की समग्र सफलता में उल्लेखनीय योगदान मिला।

लोकसभा चुनाव, 2024 में मतदाता भागीदारी काफी हद तक बूथ लेवल अधिकारियों के नेतृत्व में मतदाता सहभागिता को बढ़ाए जाने और जागरूकता पहल किए जाने से बढ़ी। इन पहल में बीएलओ द्वारा घर–घर जाकर सत्यापन करने के माध्यम से निर्वाचक नामावली को दुरुस्त बनाया जाना, मतदाता पर्चियों का वितरण, घर से मतदान करने की सुविधा और पिक–ड्रॉप सेवाएं शामिल थीं, जिन्होंने विशेष रूप से बुजुर्ग और निःशक्त मतदाताओं के बीच वृहत्तर भागीदारी को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मतदान में शहरी उदासीनता को दूर करने के लिए, ऐसी हाइ–राइज या ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में नए मतदान केंद्र स्थापित करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया था, जिनमें भूतल पर सामान्य सुविधा क्षेत्र या सामुदायिक हॉल हों। इसके अतिरिक्त, झुग्गी बस्तियों और शहरी या अर्ध–शहरी विस्तार वाले क्षेत्रों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए।

## घर से मतदान में बूथ लेवल अधिकारियों की भूमिका

बूथ लेवल अधिकारियों ने पात्र मतदाताओं जैसे कि 85+ मतदाताओं और 40: बेंचमार्क निःशक्तता वाले दिव्यांग मतदाताओं को निर्वाचक नामावली में चिह्नित करके घर से मतदान करने की स्कीम के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। बूथ लेवल अधिकारियों ने उन्हें सुस्पष्ट निर्देश दिया और उन्हें अपने घरों की सुख–सुविधा के साथ मतदान करने की सुविधा प्रदान की। इस तरह, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा और समावेशिता को बनाए रखा। इसमें निम्नलिखित बातें सम्मिलित हैं:

1. पात्र मतदाताओं की पहचान और सत्यापन करना: बूथ लेवल अधिकारियों ने घर से मतदान करने वाले पात्र मतदाताओं की पहचान करने के लिए फॉर्म–12डी को पूरी तरह भरा और सत्यापन प्रक्रियाएं चलाईं।

2. सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ)/मतदाताओं के साथ समन्वय करना: बीएलओ एईआरओ को फॉर्म जमा करते हैं और एईआरओ आवेदन मंजूर करते हैं और मतदान के दिन पोलिंग पार्टियों को प्रतिनियुक्त करते हैं। इसके अलावा, बीएलओ घर से मतदान करने वाले मतदाताओं को यह सुनिश्चित करते हुए आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान करता है कि वे प्रक्रिया और उन तारीखों से अवगत होएं जब पोलिंग टीमें मतदान के लिए उनके घर पहुंचेंगी।

## पिक–ड्रॉप सुविधा में बीएलओ की भूमिका

बूथ लेवल अधिकारियों ने मतदाताओं जैसे कि गर्भवती महिलाओं, और किसी प्रकार की निःशक्तता से ग्रस्त बुजुर्ग मतदाताओं के लिए पिक–ड्रॉप सुविधाओं की व्यवस्था एवं देखरेख की जिन्हें मतदान केंद्रों तक पहुंचने में मदद की दरकार थी। इस तरह, यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक मतदाता, चलने–फिरने में चाहे उन्हें कैसी भी परेशानी हो, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहजता और गरिमा के साथ भाग ले सके। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

1. लाभार्थियों की पहचान: बूथ लेवल अधिकारियों ने परिवहन सहायता की आवश्यकता वाले मतदाताओं की पहचान की।

2. परिवहन सेवाओं के साथ समन्वय: इन्होंने मतदाताओं के लिए यथासमय और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन सेवाओं की व्यवस्था और समन्वय किया।

3. सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करना: बूथ लेवल अधिकारियों ने इस सेवा का उपयोग करने वाले मतदाताओं की सुरक्षा और सुख–सुविधा का ध्यान रखा।

# बशवानी सदानंदम की सफलता का मार्ग: दृढ़ निश्चय का वृत्तांत

बशवानी सदानंदम ने तेलंगाना राज्य के सिद्दीपेट जिले के मदादा में मतदान केंद्र सं. 24 पर बूथ लेवल अधिकारी तथा मनरेगा रोजगार गारंटी योजना के तहत फील्ड सहायक के रूप में 14 सालों तक सेवा प्रदान की है। मदादा और उसके सहायक गांवों, बंटुपल्ली और रामुलापल्ली में 1,113 मतदाताओं के समुदाय की सेवा करने वाले सदानंदम की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता प्रेरणादायक है।

वे यह सुनिश्चित करते हैं कि 17 वर्ष की आयु वाले सभी निवासियों की पहचान की जाए और वे पंजीकरण के लिए अपना अग्रिम आवेदन जमा करें, और जब वे 18 वर्ष की आयु के हो जाते हैं, तो वे उन्हें मतदाता सूची में जोड़ने की दिशा में कार्रवाई करते हैं। इंटरमीडिएट अंक सूची, आधार कार्ड या विवाह प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके, वे सावधानीपूर्वक नए मतदाताओं को पंजीकृत करते हैं। वे लंबे समय से रहने वाले निवासियों की भी पहचान करते हैं, ग्राम पंचायत से निवास प्रमाण पत्र प्राप्त करने में उनकी सहायता करते हैं, और उन्हें मतदाताओं के रूप में पंजीकृत करते हैं।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में, सदानंदम ने चुनाव पाठशाला और मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें सभी लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सभी पात्र दिव्यांग निर्वाचक और 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को घर से मतदान करने के लिए फॉर्म 12–डी प्राप्त हो जाए। साथ ही, उन्हें यह सब जानकारी पहले से प्रदान की ताकि वे तैयार रहें।

चुनाव के दिन, उन्होंने जिन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचने में मदद की जरूरत थी उनकी मदद के लिए स्वयंसेवकों और व्हीलचेयरों की व्यवस्था का समन्वयन किया। उन्होंने समाज के लोगों को परिवहन सुविधाओं, नर्सिंग माताओं के लिए अलग रेस्टरूम, बच्चों के लिए खेलने के साधनों और सिर्फ महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्रों के बारे में जानकारी दी और इस तरह, सभी लोगों के लिए सुविधाजनक और सर्वसमावेशी मतदान अनुभव सुनिश्चित किया।

बशवानी सदानंदम के अटल समर्पण और परोपकारी सेवा ने उनके समुदाय में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अत्यन्त सशक्त बना दिया है, जिससे वे सभी के लिए आशा और प्रोत्साहन के दीपस्तंभ बन गए हैं।

## मतदान केंद्र पर आश्वस्त न्यूनतम सुविधाओं को लोकप्रिय बनाने और उनका प्रचार-प्रसार करने में बीएलओ की भूमिका

बूथ लेवल अधिकारियों ने विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सुगम्य सामग्रियों और सुविधाओं को यह सुनिश्चित करते हुए कारगर ढंग से बढ़ावा दिया कि मतदाताओं को आवश्यक जानकारी और सहयोग मिले और सभी मतदाताओं को समायोजित करने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर न्यूनतम सुविधाओं की गारंटी हो। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1 **सामुदायिक आउटरीच:** बूथ लेवल अधिकारियों ने उपलब्ध सुगम्य सामग्रियों और सुविधाओं के बारे में मतदाताओं को अवगत कराने के लिए सामुदायिक बैठकों और सूचना सत्रों का आयोजन किया जिससे मतदाताओं के मन में चुनावी प्रक्रिया के संबंध में भरोसा बना रहे।

2 **सूचना सामग्री का वितरण:** उन्होंने मतदान केंद्र पर सुविधाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पर्चे, ब्रोशर और अन्य सूचनापरक सामग्री वितरित की।

3 **स्थानीय संगठन के साथ सहयोग:** बूथ लेवल अधिकारियों ने अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों के साथ सहयोग किया।

# समावेशिता का जयघोष:

## मयूरभंज ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के बीच उच्च मतदान भागीदारी का जश्न मनाया

2024 के आम चुनावों में, ओडिशा के मयूरभंज जिले ने विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के बीच 98.61 प्रतिशत मतदान के साथ एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जो चुनावी भागीदारी में समावेशिता की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण सफलता है।

इस बढ़ी हुई मतदाता भागीदारी का श्रेय जिला प्रशासन के सक्रिय उपायों के साथ–साथ व्यापक स्वीप पहल को है, जिनमें जनजातीय समुदायों के हिसाब से तैयार किए गए गहन जागरूकता अभियान और बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए प्रयास शामिल थे।

**प्रमुख विशेष पहल में निम्नलिखित शामिल थे:**

क) 55 पीवीटीजी–विशिष्ट पोलिंग बूथों की स्थापना

ख) नुक्कड़ नाटकों और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं जैसी संचार कार्यनीतियों में स्थानीय भाषाओं को शामिल करना

ग) मतदाताओं से जुड़े बहुभाषी पत्रकों और कलात्मक भित्ति चित्रों के माध्यम से संवेदीकरण के प्रयास

घ) झंझटों से मुक्त मतदान अनुभव दिलाने के लिए आदर्श मतदान केंद्रों को सुख–सुविधाओं से लैस किया गया

ङ) निर्वाचक नामावलियों में पीवीटीजी को शामिल करने के लिए विशेष रजिस्ट्रीकरण अभियान चलाया गया।

इन समर्पित प्रयासों के कारण मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र में 75.79 प्रतिशत की सराहनीय मतदाता भागीदारी देखी गई, जिसने 2024 के लोकसभा चुनावों में 77 प्रतिशत की समग्र मतदाता भागीदारी में योगदान किया। कुल मिलाकर, पीवीटीजी के बीच उच्च मतदाता भागीदारी हासिल करने में मयूरभंज की कामयाबी समावेशी चुनावी प्रथाओं की पुरजोर कामयाबी दर्शाती है, जो विभिन्न समुदायों में समान भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि से भावी चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल कायम करती है।

### बूथ लेवल अधिकारियों ने गुरुतर दायित्वों को निभाने के लिए आईटी साधनों का उपयोग किया

अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निष्पादित करने में प्रौद्योगिकी ने भी बूथ लेवल अधिकारियों की सहायता की। वोटर हेल्पलाइन ऐप, नो योर कैंडिडेट ऐप, सी–विजिल ऐप और 1950 हेल्पलाइन जैसे आईटी साधनों का उपयोग करने में उनका कड़ा परिश्रम और दृढ़ निश्चय काम आया। उन्होंने न केवल इन साधनों का उपयोग किया बल्कि पंजीकरण, शुद्धि, और अद्यतनीकरण में सहूलियत के लिए मतदाताओं को उनके फायदों से अवगत कराया।

1. वोटर हेल्पलाइन ऐप (वीएचए): बूथ लेवल अधिकारियों ने ऐप के माध्यम से मतदाताओं के प्रश्नों का समाधान किया और सहायता प्रदान की, जिससे त्वरित और विश्वसनीय सहायता सुनिश्चित हुई।

3. सी–विजिल: बूथ लेवल अधिकारियों ने एमसीसी के दौरान शिकायतें दर्ज करने के लिए सी–विजिल ऐप को लोकप्रिय बनाया और पारदर्शिता सुनिश्चित की।

2. नो योर कैंडिडेट (केवाईसी): उन्होंने मतदाताओं को सजग विकल्प का चुनाव करने में सहायता पहुंचाने के लिए केवाईसी टूल को बढ़ावा दिया।

4. 1950 हेल्पलाइन: बूथ लेवल अधिकारियों ने 1950 हेल्पलाइन को लोकप्रिय बनाया। इसके जरिए मतदाताओं के प्रश्नों का तत्परतापूर्वक उत्तर दिया गया।

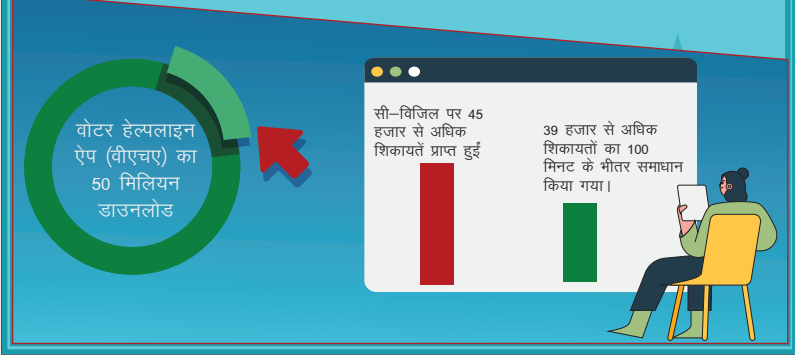


### बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाता पर्चियों और मतदाता गाइडों का वितरण

शिवा तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले में बसे पुराने ढंग के एक शहर के नगरपालिका वार्ड से आते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान उन्होंने एक कार्यालय अधीनस्थ के साथ–साथ महबूबनगर शहर में मतदान केंद्र सं. 253 के लिए बूथ लेवल अधिकारी के रूप में कार्य किया। अपने कार्य के प्रति शिवा का समर्पण अटूट है, और अपने समुदाय की भलाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अद्वितीय है।

शिवा ने अपने सफर की शुरुआत वीआरए के रूप में की और अपने इलाके में चुनावी प्रक्रिया की देखरेख करते हुए बूथ लेवल अधिकारी होने की अतिरिक्त जिम्मेदारी ली। विवरणों पर अत्यन्त सावधानीपूर्वक ध्यान देते हुए, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि चुनावी प्रक्रिया के प्रत्येक पहलू पर सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता के साथ काम किया जाए। एकदम दुरुस्त एवं अद्यतनीकृत निर्वाचक नामावली बनाए रखने के प्रति उनका समर्पण सराहनीय था। उन्होंने सभी मतदान पर्चियां वितरित की और प्रत्येक मतदाता को चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

## शिवा की सफलता का मार्ग: प्रतिबद्धता की दास्तान

चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, शिवा अपने मिशन में अडिग रहे। उनकी कर्तव्यनिष्ठा और करुणा सुस्पष्ट थी क्योंकि वह सप्ताह में तीन या चार बार अपने वार्ड के हर घर में जाकर लोगों की भलाई के बारे में व्यक्तिगत रूप से जानकारी लेते थे। ये बातचीत सिर्फ़ नियमित मुलाकातों से कहीं बढ़कर थी; शिवा ने उन्हें सार्थक संवादों में बदल दिया, जिनका उद्देश्य समस्याओं की पहचान करना और उनका समाधान ढूंढ़ना था। ये बातचीत सिर्फ नियमित यात्राओं से अधिक थी; शिवा ने उन्हें सार्थक संवादों में बदल दिया, जिसका उद्देश्य समस्याओं की पहचान करना और समाधान खोजना था। उन्होंने एक–एक करके बाधाओं को दूर किया, यह सुनिश्चित किया कि सूची में कोई मृतक मतदाता न हो, कोई डुप्लीकेट प्रविष्टियां न हों और प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता के रूप में नामांकित हो।

उन्होंने मतदाता भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सभी स्वीप गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर था कि मतदाता गाइड और मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) मतदान बूथ में प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंचे। शिवा ने मतदाता गाइड (तेलुगु में) और वीआईएस व्यक्तिगत रूप से सौंपकर अतिरिक्त प्रयास किया और पात्र निर्वाचकों की विचारशील एवं सक्रिय भागीदारी के लिए विषय–वस्तु को विधिवत समझाया।

आज, शिवा की सफलता उल्लेखनीय मानी जाती है क्योंकि वह अपने क्षेत्र के सभी मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने में सफल रहे।

## मतदान केंद्रों पर मदद के हाथ

इसी तरह, बूथ लेवल अधिकारियों ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों में हेल्प डेस्क पर उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित करते हुए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की कि मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक समर्थन, सूचना और मार्गदर्शन मिले। इससे एक सहज और समावेशी चुनावी अनुभव प्राप्त होना संभव हो पाया।

1. सुचारू संचालन सुनिश्चित करना: बूथ लेवल अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि सभी सुविधाएं यथा–स्थान मौजूद रहें और मतदान केंद्र सुचारू रूप से संचालित हों।
2. मतदाताओं की सहायता करना: उन्होंने मतदाताओं की सहायता की, विशेष रूप से उन्हें जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यकता थी, जिससे सकारात्मक मतदान अनुभव सुनिश्चित हुआ।
3. व्यवस्था बनाए रखना: बूथ लेवल अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने और निर्वाचक नामावली में निर्वाचकों के नामों से संबंधित किसी भी मुद्दे का समाधान करने में मदद की।

# कर्मक्षेत्र से सफलता के वृत्तांत:

आंध्र प्रदेश के 109–कंदुकुर विधानसभा क्षेत्र में सभी 271 मतदान केंद्रों पर 271 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तैनात किए गए, जिन्होंने 21 जुलाई, 2023 को शुरू हुए निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसएसआर के प्रारंभ में, निर्वाचकों की कुल संख्या 2,18,913 थी। 21 जुलाई से 21 अगस्त तक घर–घर जाकर सत्यापन और सर्वेक्षण के दौरान, बूथ लेवल अधिकारियों ने 1,165 नए मतदाताओं को नामांकित किया, 5,838 डुप्लीकेट, मृतक, या स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं को हटा दिया, और 3,050 मतदाताओं के विवरण को सही किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 22 अगस्त से 29 सितंबर तक भागों के भीतर 366 फोटो सदृश प्रविष्टियों (पीएसई), भागों में 605 पीएसई, भागों के भीतर 80 जनांनिकीय सदृश प्रविष्टियों (डीएसई) और भागों में 60 डीएसई की पहचान की और उन पर कार्रवाई की।

बूथ लेवल अधिकारियों ने घर से मतदान करने की सुविधा की व्यवस्था करने और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं और 40% बेंचमार्क निःशक्तता वाले दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) की पहचान करने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 109–कंदुकुर विधानसभा क्षेत्र में, उन्होंने 126 पात्र व्यक्तियों की पहचान की, जिनमें से 123 ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ उठाया।

पहली बार मतदाता बने लोगों, महिलाओं और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सहायता करने के लिए, बूथ लेवल अधिकारियों ने 15 अप्रैल, 2024 को पूरे निर्वाचन क्षेत्र में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने जनजातीय बस्तियों का दौरा किया, उन्हें मतदान के महत्व, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता और निर्वाचक नामावली में अपने नामों की जांच करने के तरीके के बारे में बताया, इस तरह मतदाताओं के भरोसे और मतदाता भागीदारी को बढ़ावा दिया। पहली बार मतदाता बने लोगों को जोड़ने और उनमें विश्वास पैदा करने के लिए स्ट्रीट रंगोली, पोस्टकार्ड अभियान और नैतिक मतदान जागरूकता सत्र जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मतदान केंद्र सं. 144 को, खासकर महिला मतदाताओं के लिए, गुलाबी मतदान केंद्र के रूप में नामित किया गया। इस केन्द्र को गुलाबी रंगों और गुब्बारों से सजाया गया और महिला मतदाताओं द्वारा साथ लाए गए बच्चों के लिए खिलौनों के साथ एक शिशु क्रेच की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजनों और गर्भवती महिलाओं के परिवहन के लिए एक महिला चालक के साथ एक ऑटो की व्यवस्था की गई, जिससे सुखद एवं समावेशी मतदान अनुभव सुनिश्चित हुआ।

अपने समर्पण और कड़े परिश्रम के माध्यम से, 109–कंदुकुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों ने न केवल चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा सुनिश्चित की, बल्कि मतदाता सहभागिता और मतदान में भागीदारी में भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी की जिनसे वर्ष 2024 का चुनाव एक कामयाब चुनाव सिद्ध हुआ।

## गर्व का क्षण

समावेशी चुनाव की थीम पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 25 जनवरी 2024 को एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।